Title: Regarding recent crash of MIG-21 at Jullundhar, Punjab.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : उपाध्यक्ष महोदय, मिग-21 की दुर्घटनायें पिछले दस वर्षों से हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में हमने 40 पायलट खोए हैं और भयानक क्षति हुई है। यह सिलसिला पिछले दस वर्षों से चल रहा है। अभी सरकार ने फैसला किया है कि इसकी जांच कराई जाएगी और उड़ानें रोकी जायेंगी। इन दुर्घटनाओं से अनेक सवाल पैदा होते हैं। मैं तीन बातें आपके सामने रखना चाहता हूं और सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूं। हमें यह नही पता है कि इसकी जांच के बिन्दू क्या होंगे।

पहली बात - क्या तकनीकी खराबी थी, जिसके कारण विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ? दूसरी बात - तकनीक ठीक थी, तो क्या कल-पुर्जे घटिया किस्म के थे? तीसरी बात - घटिया किस्म के कलपुर्जों के बारे में डीआरडीए के अधिकारी, पूर्व में लड़ाई के समय में, सरकार के ध्यान में लाए थे? अगर लाए थे, तो कार्रवाई करने में इतना ि वलम्ब क्यों किया गया? यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि एक लिखित प्रश्न के उत्तर में जो सरकार ने आंकड़े दिए हैं, मैं उनको आपकी अनुमति से सदन में रखना चाहता हूं।

सन् 2001 में मिग विमान जो दुर्घटनाग्रस्त हुए, उनकी स्थित इस प्रकार है - मिग-21 मानवीय भूल से 4, तकनीकी खराबी के कारण 4 और पक्षी के कारण एक ि वमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इसी प्रकार मिग-23 मानवीय भूल से 2, तकनीकी खराबी के कारण एक, मिग-27 तकनीकी खराबी के कारण एक और मिग-29 मानवीय भूल के कारण एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अभी हाल की दुर्घटना दसवीं है। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं, यदि घटिया सामग्री लगती रही, तो उस पर क्यों ध्यान नही दिया गया और क्या सरकार में बैठे हुए लोग इसके लिए जिम्मेदार नहीं है? सरकारी अधिकारियों ने गोपनीयता के आधार पर सारी बातों को सदन से दूर रखा और देश को इतनी बड़ी क्षति उठानी पड़ी। इन दुर्घटनाओं से 117 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जांच के मुद्दों के विाय में सदन को भी विश्वास में लिया जाना चाहिए कि इस विाय में क्या कार्रवाई की गई है।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : महोदय, मिग-21 विमान हाल ही में जालंधर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। एक महीने में तीन दुर्घटनायें हुई हैं। इन दुर्घटनाओं के बाद सरकार ने मिग-21 की उड़ानों को बन्द करने के बारे में सोचा था, लेकिन विमान उड़ते रहे हैं। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जालंधर में जो दुर्घटना हुई है, उससे बैंक में काम करने वाले गरीब लोगों की मृत्यु हुई है। मेरा निवेदन है कि मृत परिवार के लोगों के लिए भारत सरकार की ओर से 5 लाख रुपए देने की घोष ाणा करनी चाहिए और केन्द्र सरकार को मिग-21 विमान की उड़ान को बन्द करने के बारे में आदेश देना चाहिए।

श्री जे.एस.बराड़ (फरीदकोट) : महोदय, मेरे परम मित्र श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपने विचार रखे हैं। यह दुखदायी घटना पंजाब की धरती पर हुई और जालंधर में बैंक आफ राजस्थान के दस कर्मचारी मारे गए हैं और 20 से ज्यादा लोग इन्जर्ड हुए हैं, इनमें से 8-9 लोगों की हालत ज्यादा गम्भीर है। मैं केवल तीन मुद्दे आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं। इन विमान दुर्घटनाओं में आज तक 100 से ज्यादा पायलटों की जिन्दगी जा चुकी है और 9 वर्षों में 238 एक्सीडेंट हो चुके हैं। मुझे हैरानी इस बात की है कि पब्लिक एकाउन्ट्स कमेटी ने अपनी 29वीं रिपोर्ट में एक महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने इस एयरक्राफ्ट को इमिडिएटली फेजआउट करने के लिए रिकमेंडेशन दी है। इसके बावजूद भी सरकार ने एक्शन नहीं लिया। मैं आपके माध्यम से एयरचीफ मार्शल कृणास्वामी, चीफ आफ दि एयरस्टाफ, ने जो साफ शब्दों में कहा है, उसको कोट करना चाहता हूं ।

"These MiG-21s are still fully fit to fly." इतना ज्यादा कंट्राडिक्शन गवर्नमेंट और मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस के बयानात में है।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इतने एक्सीडेंट हो चुके हैं - जैसे 1998-99 में दस मिग गिरे, 1999-2000 में 13 गिरे और 2000-2001 में 12 गिरे। इससे कितनी जिन्दगियां गई हैं, इसका अंदाजा आप लगा सकते हैं। सरकार ने एडवांस ट्रेनिंग जेट देने के बारे में कहा था, परन्तु अभी तक किसी निर्का पर नहीं पहुंचे हैं। इस बारे में सरकार को तुरंत इसके ऊपर कार्यवाही करनी चाहिए। वहां जो दुखदायी घटना हुई है, क्योंकि रोज बयान आते हैं कि एमुनिशन डिपोज़ में भी आग लग रही है। 800 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो गया। पंजाब के लोग दुश्मन के जहाज गिराने के लिए अपनी वीरता के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आदमपुर से जब यह फ्लाइट ली गई तो केवल पांच मिनट में इंजन फैल्योर हो गया। इससे बहुत बड़ी डीमोरेलाइजेशन इंडियन एयर फोर्स और अवाम में आ रही है। सरकार को बहुत स्पट रूप में पब्लिक एकाउंट्स कमेटी की रिपोर्ट पर अमल करके कुछ हल निकालना चाहिए।